भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

1st plane officially lands at Navi Mumbai

Mumbai: A private jet carrying passengers from Ahmedabad quietly scripted aviation history this weekend, becoming the first aircraft to officially land at the long-awaited Navi Mumbai airport, reports **Manju V**.

The jet, operating under a Non-Scheduled Operator Permit (charter), touched down at 10:20am on Saturday and flew back to Ahmedabad past noon the next day, completing the first-ever runway operation at the greenfield airport.

Though an IndiGo Airbus 320 aircraft landed on the Navi Mumbai main runway 26 in Dec 2024, it was a validation flight mandated to test the airport's navigation systems. Prior to this, a symbolic touchdown took place in Oct, when an IAF Airbus C-295 touched down on the main runway without using the airport's ground-based navigation aids.

"The Airports Authority of India on Sept 19 granted approval for the landing of a non-scheduled aircraft, marked 'passengers flight' at Navi Mumbai," said a source.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 22 SEPTEMBER 2025

Noida Airport development on track: Minister

The Noida International Airport (NIA), being developed as a greenfield aviation hub is on track to begin operations by the end of this year. Union civil aviation minister K Rammohan Naidu said that NIA would be inaugurated on October 30 and flight operations begin within next 45 days with 10 routes. The airport has completed key aeronautical infrastructure for Phase 1, including one runway and one passenger terminal.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 23 SEPTEMBER 2025

जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा सीआईएसएफ ने संभाली

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को औपचारिक रूप से आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए), जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा की कमान संभाल लिया। हवाई अड्डे के व्यावसायिक उद्घाटन से पहले परिचालन तत्परता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इस समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार, सीआईएसएफ और नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए प्रवीर रंजन विशेष महानिदेशक हवाई अड्डे, सीआईएसएफ, सेंथिल अवूदई कृष्णा आर, आईपीएस, आईजी/ हवाई अड्डा क्षेत्र, शैलेंद्र भाटिया, नोडल अधिकारी एनआईएएल के साथ कई अधिकारी उपस्थित थे। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा सीआईएसएफ के संरक्षण में आने वाला देश का 70वाँ हवाई अड्डा बन गया है। सीआईएसएफ का हवाई अड्डा क्षेत्र (एपीएस) और विमानन सुरक्षा समूह (एएसजी) हवाई अड्डे की सुरक्षा की देखरेख करेंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDU DELHI 23 SEPTEMBER 2025

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने संभाला सुरक्षा का जिम्मा

■ **जेवर में 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, पहले चरण में 10 शहरों से होगी कनेक्टिविटी**

ग्रेटर नोएडा, 22 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईएटीए कोडरू डीएक्सएन) की सुरक्षा की कमान औपचारिक रूप से संभाल ली। इसके साथ ही डीएक्सएन देश का 70वां एयरपोर्ट बन गया है, जिसे सीआईएसएफ की सुरक्षा छत्रछाया में लाया गया है। 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन से पहले यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

120 जवानों की पहली तैनाती, 1,047 तक होगी संख्या

एयरपोर्ट के पहले दिन 120 सीआईएसएफ जवान महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तैनात किए गए। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) के अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में 1,047 कर्मियों की तैनाती होगी, जिनका नेतृत्व चीफ एरोड्रोम सिक्योरिटी ऑफिसर (सीएएसओ) करेंगे। यात्रियों की संख्या और उड़ानों के आधार पर कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। सीआईएसएफ की एयरपोर्ट सेक्टर (एपीएस) और एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप (एएसजी) इकाइयां परिधि और पहुंच नियंत्रण, यात्री और सामान की जांच, टर्मिनल और लैंडसाइड सुरक्षा, त्वरित प्रतिक्रिया दलों (क्यूआरटी) की तैनाती और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय का काम देखेंगी।

सुरक्षा के साथ सौजन्य हमारा मंत्र

सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक (एयरपोर्ट्स) प्रवीर रंजन ने उद्घाटन समारोह में टर्मिनल और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिलने पर गर्व है। हमारी एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप वैश्विक स्तर की प्रक्रियाओं और बहुस्तरीय सुरक्षा उपायों को लागू करेगी ताकि यात्रियों, चालक दल और महत्वपूर्ण संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

उपमहानिरीक्षक (एयरपोर्ट) विनय कजला ने कहा कि हमारा मंत्र है सौजन्य के साथ मुस्कान। यह एयरपोर्ट भविष्य में भारत के प्रमुख हवाई अड्डों में से एक होगा। नवरात्रि के पहले दिन हमें यहां तैनात होने का सौभाग्य मिला।

भारत का पहला नेट-जीरो उत्सर्जन एयरपोर्ट

सीआईएसएफ ने अपने आधिकारिक एक्स बयान में डीएक्सएन को भारत का पहला नेट-जीरो उत्सर्जन एयरपोर्ट बताया, जो अंततः प्रति वर्ष 7 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। बयान में कहा गया, डीएक्सएन की सुरक्षा की जिम्मेदारी के साथ, सीआईएसएफ भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में उभारने में अपनी भूमिका को मजबूत करता है।

सुरक्षा और विश्वस्तरीय अनुभव हमारा लक्ष्य

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की मुख्य परिचालन अधिकारी किरण जैन ने सीआईएसएफ की तैनाती को परिचालन तैयारियों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा हमारे उस विजन का केंद्र है, जिसमें सुरक्षित, सुगम और विश्वस्तरीय यात्री अनुभव प्रदान करना शामिल है। सीआईएसएफ के साथ साझेदारी कर हमें गर्व है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के 45 दिनों के भीतर वाणिज्यिक उड़ानें शुरू हो जाएंगी। पहले चरण में जेवर को मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता सहित कम से कम 10 शहरों से जोड़ा जाएगा।

तकनीकी और पर्यावरणीय डिजाइन पर जोर

एयरपोर्ट की हवाईपट्टी के लिए नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने 15 सितंबर को सुरक्षा मंजूरी दे दी थी। अब डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से एरोड्रोम लाइसेंस का इंतजार है। पहले चरण में 27 विमानों के लिए पार्किंग और 13 बोर्डिंग गेट होंगे, जिनमें 10 पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज और तीन बस गेट होंगे। इस दौरान यीडा एवं नियाल सीईओ राकेश कुमार सिंह, नियाल के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया समेत अन्य अधिकारी मौजूद भी मौजूद थे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 23 SEPTEMBER 2025

तैयारी

120 जवानों की तैनाती पूर्ण संचालन के समय 1047 सीआइएसएफ कर्मियों को किया जाएगा तैनात, नियाल व यीडा सीईओ आरके सिंह ने सीआइएसएफ के विशेष महानिदेशक को सौंपी एयरपोर्ट की चाबी

सीआइएसएफ ने संभाली नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा

जागरण संवाददाता, जेवर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों 30 अक्टूबर को उद्घाटन से पहले सोमवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा संभाल ली है। एयरपोर्ट पर 120 जवानों को तैनात किया गया है। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर 1047 जवान तैनात होंगे। सीआइएसएफ के विशेष महानिदेशक एयरपोर्ट प्रवीण रंजन को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (नियाल) व यमुना प्राधिकरण सीईओ राकेश कुमार सिंह ने एयरपोर्ट की चाबी सौंपी। प्रवीण रंजन ने क्यूआरटी को सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम से लैस मार्क्समैन बख्तरबंद एसयूवी सौंपा। उन्होंने कहा कि विमानन सुरक्षा समूह यात्रियों, चालक दल और महत्वपूर्ण संपत्तियों को सुरक्षा उपलब्ध कराएगा।

सीआइएसएफ रनवे, टर्मिनल बिल्डिंग, परिसर में प्रवेश द्वार और यात्रियों की जांच, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) के अलावा स्थानीय प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करेगी। सीआइएसएफ एयरपोर्ट के प्रथम घेरे की सुरक्षा में रहेगी। सुरक्षा एजेंसी एयरपोर्ट क्षेत्र (एपीएस) और विमानन सुरक्षा समूह (एएसजी) एयरपोर्ट की सुरक्षा देश में करेगी। दूसरे घेरे में एयरपोर्ट के निजी सुरक्षाकर्मी व तीसरे घेरे की सुरक्षा प्रदेश पुलिस करेगी। नियाल सीईओ ने बताया कि एयरपोर्ट शुरू होने से पहले जवानों की तैनाती से उन्हें एयरपोर्ट से परिचित होने में मदद मिलेगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) सीओओ किरण जैन ने कहा कि सीआइएसएफ को सुरक्षा जिम्मेदारी मिलने से यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव देना संभव होगा। इस मौके पर नियाल के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया आदि मौजूद रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीआइएसएफ महानिदेशक को चाबी सौंपते नियाल सीईओ राकेश कुमार सिंह व अन्य अधिकारी। सौ. यापल

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 22 SEPTEMBER 2025

सुरक्षा में चूक... चकेरी हवाई अड्डे पर विमान के अंदर मिला चूहा, तीन घंटे देरी से गई उड़ान

कानपुर से दिल्ली जाने वाले विमान में उड़ान से पहले सीटों के नीचे दिखा चूहा

जागरण संवाददाता, कानपुर : चकेरी हवाई अड्डे पर रविवार को विमान की सुरक्षा में गंभीर चूक सामने आई। दिल्ली जाने वाले इंडिगो के विमान में सीटों के नीचे चूहा घूम रहा था और इससे उड़ान में तीन घंटे नौ मिनट की देरी हुई। केमिकल छिड़कने के बाद चूहे को बेहोश कर पकड़ा गया। साथ ही वायरिंग समेत अन्य सुरक्षा बंदोबस्त परखे गए। इस दौरान यात्री परेशान होते रहे। सब सुरक्षित मिलने पर यात्रियों को फिर से विमान में बैठाया गया। दोपहर 2:55 बजे जानी वाली उड़ान शाम को 6:04 बजे 111 यात्रियों को लेकर रवाना हो सकी। देर होने की वजह से 29 यात्रियों ने टिकट रीशेड्यूल कराए और हवाई अड्डे से लौट गए।

- केमिकल छिड़ककर चूहे को बेहोश कर पकड़ा गया विमान की तकनीकी जांच की गई

रविवार को चकेरी हवाई अड्डे पर खड़े विमान की जांच करने पहुंचा तकनीकी स्टाफ ● सौजन्य- यात्री

चकेरी हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए इंडिगो एयरलाइंस का एक विमान उड़ान भरता है। यह रोजाना दोपहर 2:10 बजे दिल्ली से यात्री लेकर आता है और 2:55 बजे दिल्ली लौटता है। रविवार को भी उड़ान तय समय पर आई और यात्री सवार हो गए। करीब 2:50 बजे एक यात्री ने अंदर चूहा घूमते देखा। क्रू मेंबरों ने यात्रियों को उतारकर विमान खाली कराया। इंडिगो के तकनीकी स्टाफ और ग्राउंड क्रू ने मिलकर विमान की वायरिंग व अन्य तकनीकी जांच की। इसमें दो से ढाई घंटे का समय लग गया। शाम करीब 6:04 बजे विमान दिल्ली के लिए उड़ान भर सका। इसमें 140 यात्रियों को जाना था, लेकिन यात्रियों के टिकट रीशेड्यूल कराने से 111 यात्री ही गए।

इंडिगो के मैनेजर पंकज पांडेय ने बताया कि विमान आने के बाद रोजाना की तरह जांच और सफाई कराई गई थी, लेकिन चूहा नहीं दिखा। चूहा विमान में दिल्ली से आया या चकेरी हवाई अड्डे में घुसा, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। चूहे के विमान की वायरिंग काटने या अन्य नुकसान पहुंचाए जाने से उड़ान में दिक्कत आ सकती थी। सुरक्षा मानकों को खतरा हो सकता था। हवाई अड्डा निदेशक संजय कुमार ने बताया कि जांच के बाद विमान को दिल्ली भेजा गया।

चूहे से विमान में हो सकता था दुर्घटना का जोखिम » पेज 9

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 22 SEPTEMBER 2025

Noida Airport set to begin operations post-Diwali

The Noida International Airport (NIA), being developed as a greenfield aviation hub in Jewar, Gautam Buddh Nagar, is on track to begin operations by the end of this year. Union Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu recently told reporters that the airport would be inaugurated on October 30 and flight operations begin within next 45 days with 10 routes.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Hindustan Times

CISF formally handed security of Jewar airport

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Central Industrial Security Force (CISF) on Monday formally took charge of security at the upcoming Noida International Airport in Jewar, marking a crucial step toward its inauguration scheduled for October 30.

In a statement, CISF said 1,047 personnel will be deployed in the first phase, supervised by the Chief Aerodrome Security Officer (CASO).

"Noida International Airport becomes the 70th airport in the country under CISF cover," the force said, adding that its Aviation Security Group (ASG) and Airport Sector (APS) will oversee perimeter control, access management, passenger and baggage screening, terminal and landside security, Quick Response Teams (QRTs), and coordination with local law enforcement. Deployment strength will be scaled up as operations and passenger numbers grow.

Union civil aviation minister Kinjarapu Rammohan Naidu had announced on Wednesday that commercial operations will begin within 45 days of the inauguration, with flights to at least 10 cities in the first phase.

The airport is also being developed as a major cargo hub for the region.

Spread over 1,334 hectares, Jewar will be the National Capital Region's second full-fledged international airport after Delhi's Indira Gandhi International Airport. Phase one includes a single runway and a passenger terminal with an annual capacity of 12 million, eventually expanding to four runways and 70 million passengers a year.

Praveer Ranjan, special director general (airports), CISF, said the force will implement "globally benchmarked procedures and layered security measures to safeguard passengers, crew, and critical assets," while working closely with the airport operator and stakeholders to maintain the highest security standards.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

जिम्मेदारी

परिसर का स्पेशल डीजी ने किया निरीक्षण, 1047 जवान रहेंगे तैनात

सीआइएसएफ ने संभाली नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 22 सितंबर।

जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के हवाले कर दी गई है। सोमवार को हवाई अड्डा परिसर में आयोजित एक समारोह में सीआइएसएफ का ध्वजारोहण कर औपचारिक रूप से सुरक्षा की कमान सौंपी गई।

सीआइएसएफ के स्पेशल डीजी (हवाई अड्डा) प्रवीर रंजन ने हवाई अड्डा परिसर का निरीक्षण किया। जिसमें टर्मिनल इमारत भी शामिल थी। सीआइएसएफ पहले से ही देश के 69 यात्री हवाई अड्डों की सुरक्षा कर रहा है। सोमवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को अपने 70वें हवाई अड्डे के रूप में अपने कमान संभाली है। फिलहाल यहां सीआइएसएफ के 120 जवानों की तैनाती की गई है, लेकिन जैसे ही हवाई अड्डे के पहले चरण का पूर्ण रूप से उद्घाटन होगा, तब 1047 जवानों की तैनाती सुरक्षा के लिए की जाएगी। इससे पहले सीआइएसएफ और हवाई अड्डा प्रबंधन की टीम मिलकर सुरक्षा योजनाओं, मशीनों को स्थापित करने की प्रक्रिया समेत अन्य व्यवस्थाओं पर काम कर रही है। जिससे शुरू होने पर यहां की सुरक्षा अभेद रहे।

प्रतीकात्मक फोटो।

देश के सबसे बड़े नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किया गया है। पहले चरण में कुल 27 एअरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड तैयार किए गए हैं, जिनमें से दो स्टैंड विशेष रूप से कार्गो के लिए आरक्षित हैं।

फिलहाल यहां सीआइएसएफ के 120 जवानों की तैनाती की गई है, लेकिन जैसे ही हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन होगा, तब 1047 जवानों की तैनाती की जाएगी।

बता दें कि देश के सबसे बड़े नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किया गया है। पहले चरण में कुल 27 एअरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड तैयार किए गए हैं, जिनमें से दो स्टैंड विशेष रूप से कार्गो के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा टर्मिनल इमारत में 13 बोर्डिंग द्वार बनाए गए हैं, जिनमें 10 यात्री बोर्डिंग ब्रिज और तीन बस प्रवेश द्वार शामिल हैं। 30 सितंबर को प्रस्तावित उद्घाटन को लेकर हवाई अड्डे के बचे कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 23 SEPTEMBER 2025

CISF takes charge of security at Noida International Airport

NARESH BISWANI

NOIDA: The Central Industrial Security Force (CISF) formally took on the mantle of the responsible aviation security agency for the upcoming Noida International Airport (NIA) in Jewar on Monday, a key milestone in the operational preparedness of the airport as it gears up for its commercial operations.

The official induction ceremony was graced by top officials from the Government of Uttar Pradesh, CISF, and Noida International Airport, including Praveer Ranjan, Special DG Airports, CISF; Senthil Avoodai Krishna R, IG/Airport Sector; Rakesh Kumar Singh, CEO NIAL; Kiran Jain, COO NIA; Shailendra Bhatia, Nodal Officer NIAL; and Sanjay Kataria, Regional Director, RO Delhi.

With this induction, Noida International Airport is now the 70th airport in India to be under CISF protection. The Airport Sector (APS) and Aviation Security Group (ASG)

of CISF will be entrusted with securing the airport, which includes perimeter and access control, passenger and baggage screening, terminal and landside security, deployment of Quick Response Teams (QRTs), and coordination with local law enforcement bodies.

In the initial phase, a Chief Aerodrome Security Officer (CASO) will oversee the deployment of 1,047 CISF personnel. With the expansion of the airport's operations with rising passenger traffic and flight operations, the strength of deployment would be increased to address rising security requirements.

Praveer Ranjan, Special DG Airports, CISF, said he was proud of the force's new role: "CISF is privileged to assume charge of aviation security at Noida International Airport. Our Aviation Security Group will apply globally benchmarked processes and multi-layered security measures to secure passengers, crew, and critical assets. We are keen to coordinate closely with the airport operator and stakeholders towards delivering the highest levels of security."

Kiran Jain, Chief Operating Officer, Noida International Airport, also referred to the significance of this alliance: "The induction of CISF is a milestone in our journey of preparedness. Security is at the heart of our vision to provide safe, seamless, world-class passenger experiences. We are honoured to partner with CISF in upholding uncompromising standards of aviation safety."

With CISF securing Noida International Airport and airlines ready to operate, the facility is set to become a world-class, safe, and secure aviation hub.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 22 SEPTEMBER 2025

Noida Airport set to begin operations post-Diwali; foreign airlines in talks for flight services

PRESS TRUST OF INDIA
Noida

The Noida International Airport (NIA), being developed as a greenfield aviation hub in Jewar, Gautam Buddh Nagar, is on track to begin operations by the end of this year.

Union Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu recently told reporters that the airport would be inaugurated on October 30 and flight operations begin within next 45 days with 10 routes.

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath has also reiterated the airport's commercial flight operations to commence by 2025 end. Billed to be India's largest airport upon full development before 2050, the project — which started in 2019 and saw COVID-19 pandemic too — was initially scheduled to launch operations in September 2024.

The airport, which is being developed in four phases, has completed key aeronautical infrastructure for Phase 1, including one runway and one passenger terminal with an annual capacity to handle 12 million passengers.

Technical installations and finishing works inside the terminal are underway, while an extensive Operational Readiness and Airport Transfer (ORAT) programme is in progress.

Noida International Airport under construction in Uttar Pradesh PTI

"Phase 1 construction is progressing steadily and the airport remains on schedule for commissioning this year. The validation flight was successfully completed in December 2024, confirming the readiness of our navigational aids, approach procedures and ATC systems," NIA Chief Executive Officer Christoph Schnellmann said.

The next major milestone is the issuance of the aerodrome licence by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA). Upon obtaining regulatory clearance, flight operations will commence in close coordination with airlines and other stakeholders, ensuring a smooth and safe launch.

Notably, the airport's runway will be CAT III-compliant, enabling operations during low visibility conditions such as dense fog — an essential feature for North India's weather conditions.

The NIA has already announced IndiGo as its launch carrier, while Akasa Air will operate both domestic and international flights from the facility. Talks are going on with several international carriers.

CONTINUED ON >> P4

Noida Airport set to begin operations post-Diwali...

"Airlines from the Middle East and Southeast Asia have shown strong interest in operating from NIA. Route planning and slot allocation discussions are underway, and further announcements will be made closer to the start of operations," Schnellmann said.

As part of its broader aviation ecosystem, NIA is also advancing on cargo and MRO infrastructure. The cargo terminal, developed in partnership with Air India SATS, is nearing completion and will begin its own ORAT programme soon. The hub will serve as a multi-modal cargo hub (MMCH), strategically located to cater to major industrial and commercial centres in northern India. Additionally, the airport has invited expressions of interest for a Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) facility and has received "very strong interest", the CEO said. The MRO initiative is part of the airport's long-term vision to become "a comprehensive aviation hub". The project has also generated significant employment, with nearly 9,000 workers currently employed on-site, and thousands of additional jobs expected in the future as construction progresses across other phases. The airport will eventually be capable of handling 70 million passengers annually upon full development. The NIA is being built under a public-private partnership model, with Yamuna International Airport Private Limited (YIAPL) — a subsidiary of Zurich Airport International — as the concessionaire. Located adjacent to the Yamuna Expressway, the airport will be NCR's second international facility after Delhi's IGIA. Situated some 75 km off the national Capital, its catchment area includes Delhi-NCR, including parts of Haryana, Rajasthan and western Uttar Pradesh and expects to emerge as a key node in the region's air connectivity and logistics network.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER LUCKNOW 22 SEPTEMBER 2025

Noida Airport set to begin operations post-Diwali; foreign airlines in talks for flight services

PRESS TRUST OF INDIA
Noida

The Noida International Airport (NIA), being developed as a greenfield aviation hub in Jewar, Gautam Buddh Nagar, is on track to begin operations by the end of this year.

Union Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu recently told reporters that the airport would be inaugurated on October 30 and flight operations begin within next 45 days with 10 routes.

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath has also reiterated the airport's commercial flight operations to commence by 2025 end. Billed to be India's largest airport upon full development before 2050, the project — which started in 2019 and saw COVID-19 pandemic too — was initially scheduled to launch operations in September 2024.

The airport, which is being developed in four phases, has completed key aeronautical infrastructure for Phase 1, including one runway and one passenger terminal with an annual capacity to handle 12 million passengers.

Technical installations and finishing works inside the terminal are underway, while an extensive Operational Readiness and Airport Transfer (ORAT) programme is in progress.

Noida International Airport under construction in Uttar Pradesh PTI

"Phase 1 construction is progressing steadily and the airport remains on schedule for commissioning this year. The validation flight was successfully completed in December 2024, confirming the readiness of our navigational aids, approach procedures and ATC systems," NIA Chief Executive Officer Christoph Schnellmann said.

The next major milestone is the issuance of the aerodrome licence by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA). Upon obtaining regulatory clearance, flight operations will commence in close coordination with airlines and other stakeholders, ensuring a smooth and safe launch.

Notably, the airport's runway will be CAT III-compliant, enabling operations during low visibility conditions such as dense fog — an essential feature for North India's weather conditions.

The NIA has already announced IndiGo as its launch carrier, while Akasa Air will operate both domestic and international flights from the facility. Talks are going on with several international carriers.

CONTINUED ON >> P4

Noida Airport set to begin operations post-Diwali...

"Airlines from the Middle East and Southeast Asia have shown strong interest in operating from NIA. Route planning and slot allocation discussions are underway, and further announcements will be made closer to the start of operations," Schnellmann said.

As part of its broader aviation ecosystem, NIA is also advancing on cargo and MRO infrastructure. The cargo terminal, developed in partnership with Air India SATS, is nearing completion and will begin its own ORAT programme soon. The hub will serve as a multi-modal cargo hub (MMCH), strategically located to cater to major industrial and commercial centres in northern India. Additionally, the airport has invited expressions of interest for a Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) facility and has received "very strong interest", the CEO said. The MRO initiative is part of the airport's long-term vision to become "a comprehensive aviation hub". The project has also generated significant employment, with nearly 9,000 workers currently employed on-site, and thousands of additional jobs expected in the future as construction progresses across other phases. The airport will eventually be capable of handling 70 million passengers annually upon full development. The NIA is being built under a public-private partnership model, with Yamuna International Airport Private Limited (YIAPL) — a subsidiary of Zurich Airport International — as the concessionaire. Located adjacent to the Yamuna Expressway, the airport will be NCR's second international facility after Delhi's IGIA. Situated some 75 km off the national Capital, its catchment area includes Delhi-NCR, including parts of Haryana, Rajasthan and western Uttar Pradesh and expects to emerge as a key node in the region's air connectivity and logistics network.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 23 SEPTEMBER 2025

देश का पहला पेपरलेस हवाई अड्डा बनेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

नोएडा, (पंजाब केसरी): देश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अन्य हवाई अड्डों से अलग होगा. यह देश का पहला पेपरलेस एयरपोर्ट होगा. यहां पर चेहरा देखकर यात्रियों को एंट्री मिलेगी. एयरपोर्ट पूरी तरह से डिजिटल होगा. यात्रियों को चेहरे की पहचान (फेस रिकग्निशन) और बायोमैट्रिक डेटा से की जाएगी. ऐसा होने से यह एयरपोर्ट अपने आपमें बेहद खास होने वाला है। नोएडा एयरपोर्ट पर डिजी यात्रा सिस्टम लागू किया जा रहा है जिससे यात्रियों को चेक-इन से लेकर सुरक्षा जांच और बोर्डिंग तक हर प्रक्रिया बिना कागजी दस्तावेज और कतार में खड़े हुए पूरी हो सकेगी. एक बार चेहरे की पहचान होते ही यात्री सभी गेट्स पार कर सकेंगे. बार-बार बोर्डिंग पास या पहचान पत्र दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

चेहरे देखकर मिलेगी एंट्री

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA DELHI 22 SEPTEMBER 2025

उद्घाटन 30 अक्टूबर को, उड़ानें 45 दिन के भीतर शुरू होंगी

नोएडा एयरपोर्ट से दीपावली के बाद शुरू हो सकती हैं कमर्शियल उड़ानें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ . जेवर स्थित निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें दीपावली के बाद शुरू होने की उम्मीद हैं। इस एयरपोर्ट के खुलने से दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों के लिए हवाई यातायात सुगम हो जाएगा। साथ ही दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यातायात का बोझ कम होगा।

इस एयरपोर्ट का उद्घाटन 30 अक्टूबर को होगा, जबकि कमर्शियल उड़ानें दीपावली के बाद शुरू होंगी, जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हवाई संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने हाल ही में पुष्टि की थी कि एयरपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन अक्टूबर के अंत में होगा और समारोह के 45 दिनों के भीतर उड़ानें शुरू हो जाएंगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा है कि इस साल के अंत से पहले व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में, एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी सालाना क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है।

उड़ानें शुरू होने के बाद सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक ऑपरेशनल रेडीनेस एंड एयरपोर्ट ट्रांसफर (ओआरएटी) कार्यक्रम भी प्रगति पर है।

अधिकारियों ने बताया कि निर्माण और तैयारी की जांच पूरी होने के बाद, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) एयरपोर्ट को लाइसेंस जारी करेगा। इस नियामक मंजूरी के बाद ही कमर्शियल ऑपरेशन शुरू हो सकेगा। 2050 तक पूरा होने के बाद, एयरपोर्ट में छह रनवे होंगे।

निर्माणाधीन जेवर एयरपोर्ट।

उत्तर भारत के यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत

एयरपोर्ट के रनवे को कैट- III मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जिसका अर्थ है कि यह घने सर्दियों के कोहरे जैसी कम दृश्यता वाली परिस्थितियों में भी उड़ानों को संचालित करने में सक्षम होगा जो उत्तर भारत के यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत है। मूल रूप से सितंबर 2024 में परिचालन शुरू करने वाली इस परियोजना में कोविड-19 महामारी के कारण देरी हुई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

सीआईएसएफ के हवाले जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा , 120 जवान हुए तैनात

ग्रेटर नोएडा (आईएएनएस)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) की सुरक्षा अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के हवाले कर दी गई है। सोमवार को एयरपोर्ट परिसर में आयोजित हैंडओवर कार्यक्रम में एयरपोर्ट अथॉरिटी, निर्माता कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट, यमुना अथॉरिटी, स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर सीआईएसएफ का ध्वजारोहण (फ्लैग अनफर्लिंग) किया गया। एयरपोर्ट सुरक्षा की कमान औपचारिक रूप से सीआईएसएफ को सौंप दी गई। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के स्पेशल डीजी ने भाग लिया। उन्होंने टर्मिनल बिल्डिंग समेत एयरपोर्ट की अन्य प्रमुख जगहों का निरीक्षण किया। अब तक देश के 69 एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही सीआईएसएफ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अपने 70वें एयरपोर्ट के रूप में अपने अधीन लिया है।

गौरतलब है कि सीआईएसएफ ने वर्ष 2000 से एयरपोर्ट सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालनी शुरू की थी। आज यह बल अपनी पेशेवर कार्यशैली और मानक व्यवस्था के लिए जाना जाता है। शुरुआती चरण में

- **पहले फेज के शुरू होते ही 1047 सीआईएसएफ जवान यात्रियों व एयरपोर्ट की सुरक्षा में रहेंगे तैनात**
- **30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित**

सीआईएसएफ के 120 जवानों की तैनाती एयरपोर्ट पर की गई है। एयरपोर्ट के पहले फेज के पूरी तरह शुरू होते ही लगभग 1047 सीआईएसएफ जवान यात्रियों और एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात रहेंगे। एयरपोर्ट मैनेजमेंट और सीआईएसएफ की टीम लंबे समय से सुरक्षा प्लान, मशीनों की इंस्टॉलेशन और अन्य अहम मुद्दों पर काम कर रही है। जेवर एयरपोर्ट को आधुनिक तकनीक से विकसित किया गया है। पहले फेज में कुल 27 एयरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड तैयार किए गए हैं, जिनमें से दो स्टैंड विशेष रूप से कार्गो के लिए होंगे। टर्मिनल बिल्डिंग में 13 बोर्डिंग गेट बनाए गए हैं, जिनमें 10 पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज और तीन बस गेट शामिल हैं। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और एयरक्राफ्ट की तेजी से टर्नअराउंड सेवा मिल सकेगी। 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। फिलहाल टर्मिनल बिल्डिंग में फिनिशिंग का काम तेजी से चल रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी का दावा है कि यह एयरपोर्ट यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव देगा और साथ ही सतत विकास एवं कनेक्टिविटी के नए आयाम स्थापित करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

CISF formally takes charge of security at Noida Airport

Aditya.Dev@timesofindia.com

Noida: The Central Industrial Security Force (CISF) on Monday formally took charge of security at Noida International Airport. Delhi-NCR's second aviation hub is preparing for its Oct 30 launch.

In the first phase, 1,047 CISF personnel will be deployed under a chief aerodrome security officer to ensure layered security at the greenfield airport.

DIG (airport) Vinay Kajla said 120 personnel were inducted on the first day, with numbers set to rise as flight operations and passenger volumes increase. With this induction, Noida airport becomes the 70th civil airport in the country to come under CISF cover.

Kiran Jain, the chief operating officer of the airport, said the CISF takeover was a "key milestone" in operational preparedness. "Security is central to our vision of offering safe, seamless, and world-class passenger experiences," she said.

The Aviation Security Group and Airport Sector of CISF will oversee the airport's comprehensive security apparatus, covering perimeter and access control, baggage and passenger screening, and landside safety. Quick response teams will be stationed for emergencies, working in close coordination with local police and law enforcement agencies.

We are committed to working closely with the operator and stakeholders to maintain the highest levels of security," CISF special DG (airport) Praveer Ranjan said.

On X, CISF noted that Noida International Airport is India's first net-zero emissions airport and is designed to eventually handle 70 million passengers annually.

The airport recently secured security clearance for its airside infrastructure from the Bureau of Civil Aviation Securityon Sept 15. The aerodrome license from the Directorate General of Civil Aviation, however, is still awaited.

Union Civil Aviation Minister Kinjarapu Rammohan Naidu announced last week that Prime Minister Narendra Modi will inaugurate the project on Oct 30 and commercial operations were expected within 45 days.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 22 SEPTEMBER 2025

A day after cyberattack, European airports struggle to fix check-in glitch

Brussels/Berlin: Some of Europe's biggest airports battled to restore normal operations on Sunday after hackers disrupted automatic check-in systems, with Brussels asking airlines to cancel half of Monday's flight departures due to persistent problems.

Hackers on Friday targeted check-in and boarding systems provider Collins Aerospace, owned by RTX, disrupting operations at London's Heathrow — Europe's busiest airport, Berlin Airport and in Brussels. Passengers faced long queues, cancellations and delays on Saturday.

While the disruption eased significantly in Berlin and Heathrow on Sunday, according to airport officials and data, delays and flight cancellations were continuing.

A spokesperson for Brussels Airport said Collins Aerospace had not yet delivered a secure, updated version of the software necessary to restore full functionality, prompting the airport to seek the flight cancellations on Monday.

Reuters

Brussels Airport said 50 of Sunday's 257 scheduled departures had been cancelled to avoid long queues and last-minute cancellations

Brussels Airport said 50 of Sunday's 257 scheduled departures had been cancelled to avoid long queues and last-minute cancellations. A day earlier, 25 of the planned 234 outgoing flights were cancelled, the airport operator said.

RTX, which was not immediately available for comment on Sunday, said on Saturday it was working to fix the issue as quickly as possible, and that the disruption could be mitigated with manual check-in operations. It said the incident had impacted its MUSE software, which is used by several airlines. One passenger flying from Brussels said the disruption to his journey had been minimal. "For me, it was business as usual. For those poor souls who didn't do online check-in or have bags to check, they may be waiting a bit," he said.

Berlin Brandenburg Airport said on Sunday some problems persisted but that a manual workaround was in place. "Occasionally, there are longer waiting times at check-in, boarding, baggage handling and baggage reclaim. Delays to departing flights today are in line with a normal operating day," it said. Heathrow said early on Sunday that work was continuing to recover from the check-in system outage. It added that "the vast majority of flights have continued to operate". An analysis by aviation data provider Cirium said that the delays at Heathrow were "low", Berlin had "moderate" delays, while Brussels had "significant" delays. Regional regulators said they were investigating the source of the hacking. REUTERS

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

दिल्ली-पंतनगर के बीच पहली उड़ान तकनीकी कारणों से रद्द

पंतनगर। दिल्ली-पंतनगर के बीच दो उड़ानों से सेवा दे रही इंडिगो एयर की पहली उड़ान संख्या 6ई-7324 सोमवार को तकनीकी कारणों से रद्द कर दी गई। यह उड़ान सुबह 7:05 बजे दिल्ली से उड़ान भरकर 8:10 बजे पंतनगर पहुंचनी थी। उड़ान रद्द होने से इस फ्लाइट में पहले से टिकट बुक करा चुके यात्रियों को निराश होना पड़ा। हालांकि, इंडिगो प्रबंधन ने उन्हें किराया वापसी अथवा सड़क मार्ग से गंतव्य तक पहुंचाने का विकल्प दिया। संवाद

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

एअर इंडिया हादसे की जांच रिपोर्ट के अंश जारी करना गैर जिम्मेदाराना : सुप्रीम कोर्ट

पायलट की गलती की ओर संकेत करने वाले अंश जारी होने से मीडिया में बनने लगीं कहानियां

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 12 जून को अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट के चुनिंदा अंश जारी करने को दुर्भाग्यपूर्ण व गैर-जिम्मेदाराना बताया। इसमें पायलटों की गलती की ओर इशारा किया गया था। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र व नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के मामले में नोटिस जारी किया।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की 12 जुलाई को जारी शुरुआती रिपोर्ट पर कहा कि निष्कर्षों को टुकड़ों में और चुनिंदा तरीके से जारी करने से मीडिया को कहानियां बनाने का मौका मिला। ब्यूरो ने अंतरिम रिपोर्ट में दुर्घटना की वजह ईंधन कटऑफ स्विच अचानक बंद होना बताया था, जिससे पायलट की गलती की ओर इशारा होता है। पीठ ने कहा, जांच पूरी होने तक रिपोर्ट पर पूरी गोपनीयता बरती जानी चाहिए थी। पीड़ितों की निजता और गरिमा भी इससे जुड़ी है। हमें अंतिम रिपोर्ट आने तक इंतजार करना चाहिए। कैप्टन अमित सिंह की अगुआई वाले एनजीओ सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन की याचिका पर पीठ ने यह टिप्पणियां कीं।

घटना के 100 दिन हुए, कारण पता नहीं

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा, रिपोर्ट में एक पंक्ति में पायलटों की गलती की ओर से इशारा किए जाने से पूरी दुनिया की मीडिया में कहानियां गढ़ी गईं। हादसे के 100 दिन बाद भी कारण का पता नहीं चला है। बिना इसके बचाव का कोई कदम नहीं उठाया जा सकता।

डाटा रिकॉर्डर की जानकारी मांगना संदिग्ध

कोर्ट रूम लाइव

■ **भूषण :** मामले में तीन हितधारक हैं-विमान निर्माता, एयरलाइन और डीजीसीए। जांच में एक के भी शामिल होने से हितों का टकराव होगा। फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर से मिली जानकारी का खुलासा करने से दुर्घटना के कारणों का स्पष्टीकरण हो जाएगा।

■ **पीठ :** स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग तो समझ में आती है, लेकिन फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर की जानकारी मांगना संदिग्ध है। कोई विशेष जानकारी जारी होने से प्रतिद्वंद्वी एयरलाइन उसका दुरुपयोग कर सकते हैं। इसलिए ऐसी जानकारी समय से पहले जारी नहीं की जानी चाहिए। इससे कई तरह की समानांतर कहानियां चल सकती हैं।

■ **भूषण :** ऐसी कहानियां तो किसी भी हालत में चलेंगी। अंतिम रिपोर्ट आने के बाद भी ऐसा हो सकता है।

■ **जस्टिस सूर्यकांत :** हमें जानकारी को टुकड़ों में जारी नहीं करना चाहिए और नियमित जांच के तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचने तक पूरी गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए। उसके बाद ही हम बता सकते हैं कि वास्तविक कारण क्या था।

■ **भूषण :** एक पॉडकास्ट ने सभी पहलुओं की जांच करने का दावा किया और कहा कि यह पायलट की लापरवाही का मामला नहीं था। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट की एक लाइन पर मीडिया की रिपोर्टिंग ने पूरी तस्वीर को विकृत कर दिया है। जांच किसी न्यायिक अधिकारी को सौंपी जा सकती है।

■ **पीठ :** मामले के विशेषज्ञों की ओर से की जाने वाली स्वतंत्र जांच एक बेहतर विकल्प है। अफवाहों पर लगाम लगाने और किसी भी तरह की मीडिया में चुनिंदा अंश लीक होने से रोकने के लिए ऐसी जांच त्वरित रूप से होनी चाहिए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

विमान के पहिये के पास बैठ काबुल से दिल्ली पहुंचा किशोर

ईरान जाना था, गलती से पहुंचा भारत, वापस भेजेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हैरान कर देने वाली घटना में अफगानिस्तान से 13 साल का किशोर विमान के पहिये में छिपकर काबुल से दिल्ली पहुंच गया। बताया जा रहा है कि वह ईरान जाना चाहता था, लेकिन गलती से भारत पहुंच गया। आव्रजन विभाग उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहा है। उसे वापस काबुल भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

हवाईअड्डे के एक अधिकारी के मुताबिक, घटना रविवार की है। सुबह करीब 10:20 बजे काबुल से काम एयरवेज की फ्लाइट आरक्यू 4401 दिल्ली पहुंची। एयरपोर्ट पर यात्रियों के उतरने के बाद विमान टैक्सीवे पर खड़ा था। कर्मचारियों ने विमान के पास किशोर को संदिग्ध हालत में घूमते हुए देखा। कर्मचारियों ने पूछताछ की, तो उसने बताया, वह अफगानिस्तान का रहने वाला है। तुरंत अफसरों को जानकारी दी गई। सीआईएसएफ ने किशोर को हिरासत में ले लिया और पूछताछ के बाद आव्रजन विभाग के हवाले कर दिया।

94 मिनट तक हवा में रहा

किशोर ने बताया कि वह गलती से भारत की फ्लाइट में चढ़ गया। काबुल एयरपोर्ट पर वह यात्रियों की गाड़ी के पीछे-पीछे अंदर घुसा, फिर व्हील वेल में छिप गया। उड़ान के बाद पहिये का दरवाजा बंद हो गया। वह 94 मिनट तक उसी में बैठा रहा। काबुल से दिल्ली की दूरी करीब 1,000 किमी है।

जीवित बच पाना चमत्कार : विमान के पहिये में यात्रा करना बेहद खतरनाक है। ऐसे छिपकर यात्रा करने वालों में हर पांच में से एक ही व्यक्ति बच पाया है। जानकार भी इसे चमत्कार मानते हैं। विमान करीब 30 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ता है, जहां ऑक्सीजन की कमी, कम तापमान और पहिये के बीच में दब जाने जैसी स्थितियों में किसी का बच पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

विमान में यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोला, नौ हिरासत में

बेंगलुरु वाराणसी फ्लाइट में मची अफरा तफरी के बीच खड़े यात्री। - संवाद

वाराणसी। बंगलूरू से वाराणसी आ रहे एयर इंडिया के विमान में सोमवार सुबह कॉकपिट का दरवाजा खोलने का प्रयास किया गया। पायलट की सूचना पर क्रू मेंबर्स ने बंगलूरू निवासी मणिआर को पकड़ा। आरोपी के साथ आठ और यात्रियों को सीआईएसएफ को सौंपा गया।

फूलपुर पुलिस, आईबी, रॉ, एटीएस, एमआई समेत केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने नौ लोगों से पांच घंटे तक पूछताछ की। मणिआर ने बताया कि वह वॉशरूम के लिए दरवाजा खोल रहा था। गलती से कॉकपिट के दरवाजे का बटन दब गया। सभी पहली बार विमान से सफर कर रहे थे। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा करने आए

बंगलूरू से वाराणसी आ रहे एयर इंडिया के विमान में हुई घटना

थे। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि एयर इंडिया के विमान ने सुबह 8.14 बजे बंगलूरू से उड़ान भरी। 10.20 बजे विमान वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरा। सीआईएसएफ के अफसरों ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला कि कॉकपिट व वॉशरूम के दरवाजे पास-पास हैं, इसलिए घटना भूलवश भी हो सकती है। संयोग अच्छा रहा कि पासवर्ड एक जैसा होने से सिस्टम ने अलर्ट कर दिया। अब तक की जांच में यात्रियों के पास या उनके सामान से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। संवाद

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 23 SEPTEMBER 2025

SC slams 'selective' release of A-I crash report

Seeks response from Centre, DGCA

BHAVINI MISHRA
New Delhi, 22 September

The Supreme Court on Monday questioned the "selective" release of the Aircraft Accident Investigation Bureau's (AAIB) report on the preliminary findings into the June 12 Air India crash in Ahmedabad. A two-judge Bench of Justices Surya Kant and N Kotiswar Singh said that "selective publication of the preliminary inquiry report was unfortunate".

"Until the investigation is complete, confidentiality must be maintained," the bench observed. While agreeing to hear a public interest litigation moved by Safety Matters Foundation, a non-profit organisation, the bench sought the Union government as well as the Directorate General of Civil Aviation (DGCA)'s response.

In its plea, the non-profit organisation has sought an independent probe into the June 12 crash of Air India's Boeing 787-8 aircraft operating Flight AI171 to London Gatwick. Safety Matters Foundation has, in its plea, also argued that the disclosure of partial findings violated the Aircraft (Investigation of Accidents and Incidents) Rules, 2017, which mandate full disclosure of factual data collected during the inquiry. The plea further alleged that the report withheld crucial information such as the full Digital Flight Data Recorder output, complete Cockpit Voice Recorder transcripts with timestamps, and Electronic Aircraft Fault Recording data.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 21 SEPTEMBER 2025

जयपुर-हैदराबाद की उड़ान ऐनवक्त पर रद्द

जयपुर | जयपुर एयरपोर्ट पर शनिवार को जयपुर से हैदराबाद जाने वाले और वापसी में जयपुर आने वाले करीब 150 यात्रियों को जबरदस्त परेशानी का सामना करना पड़ा। मामला एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 2870/2872 का है।

एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार ये फ्लाइट हैदराबाद से सुबह 7:45 बजे जयपुर पहुंचती है, जो वापसी में 8:55 बजे हैदराबाद रवाना होती है। लेकिन शनिवार को ये फ्लाइट दोनों तरफ से रद्द रही। क्योंकि पूर्व में यात्रियों को इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में वे सुबह एयरपोर्ट पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्हें एयरलाइंस प्रबंधन ने फ्लाइट के रद्द होने की जानकारी दी। उधर एयर इंडिया एक्सप्रेस की गुवाहाटी की फ्लाइट लेट होने से यात्रियों कको परेशानी हुई। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार फ्लाइट संख्या आईएक्स-1954 जयपुर से शाम 6:50 बजे गुवाहाटी जाती है। जो करीब डेढ़ घंटे की देरी से देर शाम 8:15 बजे गुवाहाटी रवाना हुई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 23 SEPTEMBER 2025

फ्लाइट में कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश

बेंगलुरू, 22 सितम्बर (एजेंसियां)। बेंगलुरू से वाराणसी जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान में सोमवार को एक बड़ी घटना सामने आई। फ्लाइट में एक यात्री ने विमान के कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। यह पूरी घटना तब हुई, जब विमान उड़ान भर चुका था।

बताया गया है कि एआई एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1086 सोमवार को बेंगलुरू एयरपोर्ट से सुबह 8 बजे उड़ी थी। इस दौरान एक यात्री अपनी सीट से उठकर कॉकपिट के दरवाजे के पास पहुंचा और उसे खोलने की कोशिश करने लगा। यह शख्स आठ अन्य लोगों के साथ सफर कर रहा था। इस घटना के बाद उस शख्स और उसके साथियों को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया गया। फ्लाइट को सुरक्षित वाराणसी में लैंडिंग हुई।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बाद में इस घटना पर बयान भी जारी किया। विमानन कंपनी ने कहा कि फ्लाइट में किसी भी सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हुआ था।

- बेंगलुरू से वाराणसी जा रहा था विमान
- आरोपी आठ अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार

पहली बार विमान में सवार होने की बात कही

एक अधिकारी ने बताया कि बेंगलुरू से वाराणसी जाने वाली उड़ान संख्या आईएक्स-1086 के पायलट सिद्धार्थ शर्मा से एटीसी को एक संदेश प्राप्त हुआ कि नौ यात्रियों के समूह में से एक यात्री मणि ने कॉकपिट के दरवाजे का सुरक्षा कोड दबा दिया। इसके बाद विमान में मौजूद चालक दल सतर्क हो गया। यात्री ने अपनी इस हरकत के बारे में अनभिज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि वह पहली बार विमान में सवार था। इसलिए उसे इसकी जानकारी नहीं थी। चालक दल ने सभी साथी यात्रियों की पहचान की और सूचना के आधार पर सीआईएसएफ ने सभी यात्रियों से पूछताछ की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 23 SEPTEMBER 2025

प्रारंभिक जांच में पायलट की चूक बताया जाना दुर्भाग्यपूर्ण और गैरजिम्मेदाराना : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : एअर इंडिया के लंदन जा रहे विमान की 12 जून को अहमदाबाद में हुई दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में पायलटों की चूक बताना दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की 12 जुलाई को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया और दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के पहलू पर केंद्र और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया। 12 जून को एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान ने अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। कुछ ही देर बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें 241 यात्री व चालक दल सदस्यों समेत 265 लोग मारे गए थे।

विमान दुर्घटना का फाइल फोटो ●

कोर्ट ने कहा...

- जांच पूरी होने तक इस तरह की रिपोर्ट पूरी तरह गोपनीय रहनी चाहिए। इससे पीड़ितों की निजता और गरिमा जुड़ी होती है।
- हमें टुकड़ों में जानकारी जारी नहीं करनी चाहिए। क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा स्वतंत्र जांच बेहतर विकल्प हो सकता है।
- अफवाहों व अटकलों से बचने के लिए और सूचनाओं के चुनिंदा लीक से बचने के लिए तुरंत स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

याचिकाकर्ता के सवाल

- एएआइबी ने प्रारंभिक रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए "फ्यूल कटआफ स्विच" को "रन" से "कटआफ" में स्थानांतरित करने को जिम्मेदार ठहराया गया, जिससे पायलट की गलती का संकेत मिलता है।
- इसमें महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई गई। इनमें पूरा डिजिटल फ्लाइट डाटा रिकार्डर आउटपुट, काकपिट वायस रिकार्डर की पूरी ट्रांसक्रिप्ट व इलेक्ट्रानिक एयरक्राफ्ट फाल्ट रिकार्डिंग डाटा शामिल।

काकपिट में घुसने का प्रयास, विमान अपहरण की आशंका से खलबली

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बेंगलुरु से वाराणसी आ रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस (आइएक्स 1086) विमान में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री मनि आर. ने वाशरूम समझकर काकपिट का दरवाजा खोलने का प्रयास किया। उसने काकपिट का पासकोड बटन भी दो बार दबाया। इससे पायलट को विमान अपहरण का अंदेशा हुआ और उसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरते ही सीआइएसएफ ने मनि आर. और उसके आठ दोस्तों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पता चला कि सभी युवक पहली बार हवाई यात्रा कर रहे थे। युवक भूलवश काकपिट को वाशरूम समझ बैठा था। रात दस बजे सभी को छोड़ दिया गया।

घटना उस समय हुई, जब 140 यात्रियों को लेकर बेंगलुरु से वाराणसी आ रहा विमान उड़ान भर चुका था। मनि आर. को वाशरूम जाना था और उसने एयर होस्टेस से इसके बारे में पूछा। एयर होस्टेस ने आगे की ओर इशारा किया, लेकिन मनि आर. काकपिट के दरवाजे तक पहुंच गया और वहां लगे पासकोड बटन को दबाने लगा। एयर होस्टेस ने रोकने की कोशिश की तो वह नाराज हो गया। उसके दोस्त भी एयर होस्टेस से बहस करने लगे। इससे विमान में सवार अन्य यात्रियों को अपहरण की आशंका हुई तो अफरा-तफरी मच गई। विमान के सुबह 11 बजे वाराणसी पहुंचने पर सीआइएसएफ ने मनि आर. और उसके दोस्तों योगेश सी., धनुष आर., श्रीमंथा एस., मणिकांता बी., शिवा कुमार एच., मंजूनाथ एम., सुदीप एनवी. और हर्ष बी. को हिरासत में ले लिया। सभी करीब 11 घंटे तक पूछताछ की गई।

वाराणसी : हिरासत में लिए गए आरोपित मनि आर. (बाएं से चौथा) और उसके आठ दोस्त ● स्रोत-इंटरनेट मीडिया

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 23 SEPTEMBER 2025

विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में पायलट की चूक बताना गैर-जिम्मेदाराना : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : एअर इंडिया के लंदन जा रहे विमान की 12 जून को अहमदाबाद में हुई दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में पायलटों की चूक बताना दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है। बता दें कि दुर्घटना में 265 लोग मारे गए थे।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की 12 जुलाई को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया और दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के पहलू पर केंद्र और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया।

▸ अहमदाबाद एअर इंडिया विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त विमान। फाइल

एएआइबी ने प्रारंभिक रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए 'फ्यूल कटआफ स्विच' को 'रन' से 'कटआफ' में स्थानांतरित करने को जिम्मेदार ठहराया गया, जिससे पायलट की गलती का संकेत मिलता है।

कोर्ट ने कहा...

- जांच पूरी होने तक इस तरह की रिपोर्ट पूरी तरह गोपनीय रहनी चाहिए। इससे पीड़ितों की निजता व गरिमा जुड़ी होती है
- हमें टुकड़ों में जानकारी जारी नहीं करनी चाहिए। क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा स्वतंत्र जांच बेहतर विकल्प हो सकता है
- अफवाहों व अटकलों से बचने के लिए और सूचनाओं के चुनिंदा लीक से बचने के लिए तुरंत स्वतंत्र जांच होनी चाहिए

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

AI171 CRASH

Apex Court Seeks Govt, DGCA Views on Plea for Independent Probe

Indu Bhan

New Delhi: The Supreme Court on Monday sought response from the Centre and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on a PIL seeking an "independent, fair and expeditious probe" into the June 12 crash of the London-bound Air India flight AI171 in Ahmedabad that killed 260 people, including 19 on the ground.

A bench comprising Justices Surya Kant and N.K. Singh issued a notice for the "limited purpose of ensuring a fair, impartial and expeditious investigation by an expert body." However, it clarified that it was not at this stage considering seeking response on the public disclosure of any part of the probe.

Safety Matters Foundation, an aviation safety NGO, is seeking a court-monitored independent probe. Prashant Bhushan, counsel for the NGO, told the court that the Aircraft Accident Investigation Bureau's (AAIB) preliminary report was "incomplete, selective, and lacking in transparency, thereby undermining the credibility of the investigative process and the trust of the travelling public".

The NGO said that the AAIB report failed to comply with Rule 2(25) of the Aircraft (Investigation of Accidents and Incidents) Rules, 2017, which states that such a report serves the purpose of disseminating all data obtained during the early stages of the investigation.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 23 SEPTEMBER 2025

SC miffed over reports suggesting 'pilot error' led to AI plane crash

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, September 22

THE SUPREME COURT on Monday termed as "unfortunate and irresponsible" the selective publication of a preliminary report on the June 12 Air India crash which outlined lapses on the part of pilots and paved way for a "media narrative".

A bench of Justices Surya Kant and N Kotiswar Singh, which issued notices to the Centre and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on the aspect of an independent, fair and expeditious probe of the crash, said an element of privacy and dignity of families of victims was also involved.

It took note of certain aspects of the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) preliminary report issued on July 12 and said "piecemeal and selective" publication of the findings which led to building of a media narrative was "unfortunate and irresponsible".

"There should be complete confidentiality of reports of this nature till the inquiry is complete. There is an element of privacy and dignity of the victims involved. That's why we should wait for the final report," the bench observed.

Advocate Prashant Bhushan, appearing for the NGO 'Safety Matters Foundation', earlier said one line of the preliminary report which blamed the pilots for the crash led to building of a narrative in the media across the world.

"Unless people know what was the cause of the accident, they are in danger as no preventive steps can be taken till then. It's been over 100 days since the crash and we still don't know the reason," Bhushan said.

He alleged in the probe panel constituted after the crash, three of the five-members were from the aviation regulator and there could be an issue of conflict of interest.

"There are three interested parties–manufacturer of aircraft, airline and the DGCA and involvement of any member of these three parties will be a conflict of interest. How can officers of the very organisation whose role is likely to be examined be part of the committee probing the incident," Bhushan said.

He said revealing information from the flight data recorder of the airplane would "clear the air" over the cause of the accident.

The bench said while the demand for free, fair and independent inquiry was understandable, the demand for information from the flight data recorder was "questionable".

While cautioning that releasing a particular information might be exploited by rival airlines, the bench suggested such information should not be released prematurely.

"We should not release the information piecemeal and maintain utmost confidentiality till the regular inquiry is taken to its logical conclusion. Then only we can say what was the actual reason," Justice Kant said.

Bhushan referred to a podcast, which claimed of having examined all aspects of the incident, and said it concluded that it was not a case of pilot's negligence.

"Media reporting from one isolated line from the preliminary report has actually distorted the larger picture," he submitted and added the probe panel could be headed by a judicial person.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Top court calls reports on AI accident 'irresponsible', asks Centre, DGCA to reply

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The Supreme Court on Monday censured the "selective" release of the preliminary report of the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) on the June 12 Air India crash in Ahmedabad, and said media reports attributing blame to pilot error before the inquiry was complete was "irresponsible."

A Bench of Justices Surya Kant and N. Kotiswar Singh issued notice to the Union government and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) "for the limited purpose of ensuring a fair, impartial and expeditious investigation by an expert body". The judges made it clear that they were not at this stage considering the public disclosure of any part of the probe.

"The selective and piecemeal publication of the preliminary inquiry report was unfortunate. Till the enquiry is complete, it is important to maintain absolute confidentiality," it observed. "Privacy and dignity must be respected, because even though the pilots are no more, their families are still there and will be affected by such leaks," the Bench observed.

Grim reminder: The wreckage of the Boeing Dreamliner plane at the Ahmedabad airport. VIJAY SONEJI

The court was hearing a petition filed by Safety Matters Foundation, a non-profit, seeking a court-monitored independent probe into the crash that killed 260 people.

The plea alleged that the preliminary report violated the Aircraft (Investigation of Accidents and Incidents) Rules, 2017, which mandate full disclosure of factual data gathered in the early stages of an inquiry.

Advocate Prashant Bhushan, appearing for the non-profit, argued that even after more than 100 days, there was "no clarity" on what had transpired or what precautions were required to prevent such tragedies. The Bench expressed reservations about placing all information in the public domain before the probe was complete.

Mr. Bhushan questioned the composition of the AAIB probe team, noting that three of its five members were serving officers of the DGCA. This, he said, created "a very serious conflict of interest". Justice Surya Kant observed that the presence of serving officers did not necessarily imply bias.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Passenger held for trying to open cockpit door on flight

A passenger aboard an Air India Express flight from Bengaluru to Varanasi tried to open the cockpit door, mistaking it for a toilet, on Monday. The incident took place on flight IX 1086 when it was mid-air. The passenger involved was a first-time traveller, the airline said in a statement. The passenger and the group of eight travellers he was flying with were handed over to the Varanasi police. Air India Express said safety protocols were in place during the flight, and security was not compromised. Sources in the Central Industrial Security Force (CISF) said the passenger expressed ignorance about the act as he was a first-time air traveller. The entire group was interrogated by the CISF.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Hindustan Time

RAT ON BOARD DELAYS INDIGO FLIGHT BY 3 HRS

LUCKNOW: An IndiGo flight from Kanpur to Delhi was delayed for over three hours after a rat was spotted inside the aircraft, causing panic among passengers and crew, officials aware of the matter said.

The incident took place on Sunday after the flight had arrived in Kanpur at 2.10pm. The cabin crew was preparing for the Delhi-bound return flight 6E 2192, scheduled to depart at 2.55pm, when one of the crew members noticed a rat inside the aircraft. Passengers who had boarded the plan also saw the rodent and began raising an alarm, officials said.

All 172 passengers were later deboarded. A combined team of airline technical staff and ground crew carried out an intensive search of the aircraft, officials said, adding that the rat was captured after three hours. The flight eventually took off from Kanpur airport at 6.04pm.

Kanpur airport director Sanjay Kumar confirmed the incident, saying, "Until the rat was located and the aircraft declared completely safe, there was no question of allowing the flight to depart." The airline did not issue a statement in connection with the incident. HTC

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Hindustan Times

SC: Public release of AI crash preliminary report 'unfortunate'

SC also sought reply from the Centre, DGCA on how they plan to ensure a free-and-fair probe.

Utkarsh Anand
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Supreme Court on Monday sought replies from the Union government and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), asking them to respond on how they propose to ensure a "free, fair, impartial and expeditious" investigation into the Air India plane crash that killed 260 people in June, and the need for a court-monitored probe by an independent investigator.

A bench of justices Surya Kant and N Kotiswar Singh issued notices to the Centre and DGCA, seeking their responses in two weeks on a petition moved by NGO and aviation consultant Safety Matters Foundation. The court also described as "unfortunate" the public release of a preliminary report by DGCA that appeared to imply that one of the pilots could be at fault for moving the fuel control switches from "RUN" to "CUT-OFF" seconds after takeoff, resulting in loss of thrust. →P14

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

AI-171 crash preliminary report's public release 'unfortunate': SC

Utkarsh Anand
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Supreme Court on Monday sought replies from the Union government and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), asking them to respond on how they propose to ensure a "free, fair, impartial and expeditious" investigation into the Air India plane crash that killed 260 people in June, and the need for a court-monitored probe by an independent investigator.

A bench of justices Surya Kant and N Kotiswar Singh issued notices to the Centre and DGCA, seeking their responses in two weeks on a petition moved by NGO and aviation consultant Safety Matters Foundation. The court also described as "unfortunate" the public release of a preliminary report by DGCA that appeared to imply that one of the pilots could be at fault for moving the fuel control switches from "RUN" to "CUTOFF" seconds after takeoff, resulting in loss of thrust.

During the hearing, advocate Prashant Bhushan, appearing for the petitioner, argued that despite 102 days having passed since the crash, there was "no clarity on what happened, why it happened and what precautions are to be taken", leaving passengers in similar aircraft at risk. He also flagged the conflict of interest in the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) probe panel, three of whose five members belong to the national regulator, which is under scrutiny for alleged negligence.

AI-171 crashed shortly after take-off from Ahmedabad airport on June 12, claiming the lives of 260 people. PTI

The bench acknowledged the demand for an impartial inquiry, but raised concerns about making all information public before the probe concludes. "You want an impartial inquiry and we understand it. But why do you want everything to come in the public domain?" the bench asked. Bhushan insisted that the flight data recorder data be made public, to which the bench responded: "That can come only after the regular inquiry is over. It may not be advisable to make everything public at this stage."

When Bhushan pointed out that the preliminary report had selectively blamed the pilots, the court called it "very unfortunate". "That is why we say some confidentiality has to be maintained. Privacy and dignity must be respected, because even though the pilots are no more, their families are still there and will be affected by such leaks," the bench said.

The court further cautioned that premature disclosures could distort the picture: "Instead of selective leaks, the final outcome of the inquiry should come out. Of course, the inquiry has to be fair. But the inquiry should be allowed to complete for the whole picture to come out."

The bench added that such investigations "should be completed expeditiously without giving anyone the opportunity for rumour or misrepresentation" and remarked that air accidents are sometimes exploited by rival airlines to damage reputations.

The court order made clear that the notice to the Centre and DGCA is limited to ensuring a "free, fair, impartial and expeditious investigation by an expert body," and that the court is currently not considering making any part of the probe public.

On June 12, Air India Flight AI-171 carrying 230 passengers and 12 crew members crashed shortly after take-off from Ahmedabad airport, killing 229 passengers, all crew members, and 19 people on the ground.

The AAIB led the inquiry into the tragedy, with participation from the US National Transportation Safety Board, the UK's Air Accidents Investigation Branch, and Boeing representatives.

On July 12, the preliminary report revealed that both engine fuel control switches moved from RUN to CUTOFF seconds after takeoff, resulting in a loss of thrust. The cockpit voice recorder captured one pilot questioning the fuel cutoff, with the other denying responsibility. The Ram Air Turbine, a backup power system, deployed automatically, and although one engine began to recover after the switches were returned to RUN, the aircraft could not regain altitude.

Since then, a report from the Wall Street Journal alleged that the captain of the flight, Sumeet Sabharwal, might have switched off the power even as AAIB has dismissed the charges and called the reporting "irresponsible".

The petition alleged that in 2018, the US Federal Aviation Administration (FAA) issued a Special Airworthiness Information Bulletin warning of possible disengagement of the fuel control switch locking feature in the same make of aircraft, but compliance was not ensured since the directive was advisory, not mandatory. Stressing the larger significance of its plea, the petitioner said: "The importance of this petition lies not only in seeking answers for the present disaster but in safeguarding the lives of countless others who continue to fly with the belief that the skies are secure."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 22 SEPTEMBER 2025

Air Traffic

In July 2025, the number of domestic flights from Mumbai declined around 2% over July 2024 levels. International flights increased about 3%.

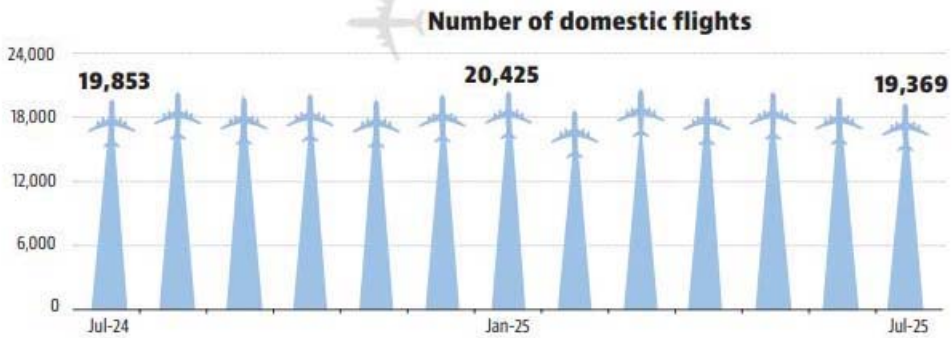

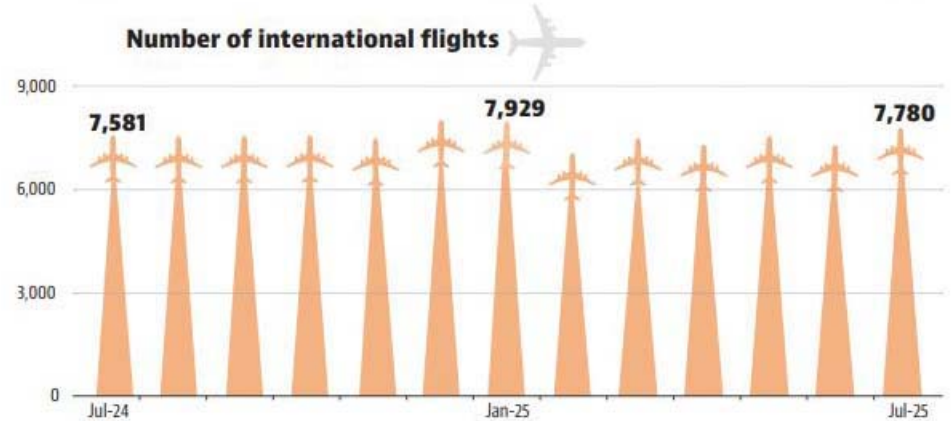

Source: Airports Authority of India

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 23 SEPTEMBER 2025

AIR INDIA FLIGHT CRASH IN AHMEDABAD

SC slams reports on 'pilot error', issues notice on plea for independent probe

SC underlines need for confidentiality until the investigation concludes

ANANTHAKRISHNAN G
NEW DELHI, SEPTEMBER 22

TERMING THE 'pilot error' insinuation in media reports citing AAIB preliminary report as "unfortunate and irresponsible", the Supreme Court on Monday issued notice to the Centre, the Director General of AAIB, and the DGCA on a plea seeking an independent probe into the Air India 171 crash in Ahmedabad on June 12, 2025, that killed 260 people.

Advising the need for confidentiality in such matters while investigation is underway, a bench of Justices Surya Kant and N K Singh said that ultimately, it will not be aircraft manufacturers like Boeing which will be blamed, but the staff of the airline and there will be demands to run down the operator.

"Issue notice to the respondents for the limited purpose of ensuring a free, fair, impartial, independent and expeditious investigation by an expert body," the bench ordered on a plea by Safety Matters Foundation, an aviation safety NGO.

Appearing for the NGO, advocate Prashant Bhushan also sought to make public the details of the flight data recorder, but the court expressed reluctance to issue such a direction and stressed the need for maintaining confidentiality till the regular inquiry is taken to its logical conclusion.

Bhushan said that three of the five-member committee probing the incident are members of the DGCA which itself is under the scanner.

"..So how can three officers of the same organisation whose role is likely to be examined, whether they had been negligent on certain safety standards etc, how can three officers of that organisation be there?," he said.

The crash in Ahmedabad on June 12 killed 260 people. *File*

Justice Kant said "it all depends on their rank, stature..."

Bhushan said that irrespective of their rank, "everybody has at least some interest in protecting their organisation".

Justice Kant, however, said, "they may not protect the individual employees, suppose if some engineers are involved... please keep in mind, and you would find instances in history, where unfortunately any mishap has been encashed by the rival airlines also".

Bhushan said that he had been listening to a podcast of some very competent people and "they have also reached the conclusion that this was not a pilot error but an electrical systems failure".

He added that the data from the flight data recorder would allow all independent people to understand what was the real cause of the accident.

"This is what we are saying that instead of leaking the information piecemeal, we do not know what is there, somebody should maintain confidentiality till the regular inquiry is taken to logical conclusion. Of course it has to be in a fair and impartial manner, that is only the final outcome of the inquiry should be brought into the public domain," Justice Kant reiterated.

Bhushan said 102 days have elapsed and there is still no finality on what may have happened.

On his request for an independent probe, Justice Kant said "independent investigation should be by the subject experts only".

On reports attributing it (the crash) to pilot error on the basis of the preliminary report, Justice Kant said "that was most unfortunate...there was no occasion for anyone to leak out the so-called preliminary inquiry..."

Bhushan said the "report was officially released and that one sentence was taken up and everyone went to town saying it was pilot error".

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 23 SEPTEMBER 2025

The justices also criticized the leak of AAIB's preliminary inquiry report, calling it "unfortunate." PTI

SC to review probe into Air India crash

The Supreme Court will review the fairness and timeliness of the Aircraft Accident Investigation Bureau's (AAIB) probe into the 12 June crash of Air India Flight AI171 in Ahmedabad, which killed 265 people, including passengers, crew and residents on the ground. The review follows a plea from aviation NGO Constitution by Safety Matters Foundation, led by Captain Amit Singh, seeking an independent investigation.

A bench of Justices Surya Kant and N. Kotiswar Singh has sought responses from the central government, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) and the AAIB.

The matter will be heard again on 11 October. The top court emphasized that its role is limited to ensuring the probe is conducted in a "free, fair, impartial, independent and expeditious" manner.

The justices also criticized the leak of AAIB's preliminary inquiry report, calling it "unfortunate." They noted that a single line—suggesting that one pilot asked why fuel had been cut off—was amplified internationally, creating what the court called a misleading pilot-error narrative.

KRISHNA YADAV

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 23 SEPTEMBER 2025

'Unfortunate, irresponsible': SC slams reports suggesting 'pilot error' led to Air India crash

Court says selective publication of the preliminary report paved way for a 'media narrative'

MPOST BUREAU

NEW DELHI: The Supreme Court on Monday issued notice on a plea seeking an independent and expeditious investigation into the June 12, 2025, crash of an Air India Boeing Dreamliner in Ahmedabad, which killed 265 people.

A bench of Justices Surya Kant and N K Singh also termed as "unfortunate and irresponsible" media reports which indicated that "pilot error" was to blame for the crash, purportedly quoting some preliminary findings by the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB).

The Supreme Court sought replies from the Union government and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on how they propose to ensure a "free, fair, impartial and expeditious" investigation into the London-bound Air India plane crash in Gujarat on June 12, and the need for a court-monitored probe by an independent investigator.

The bench sought response of the Centre and DGCA, seeking their responses in two weeks on a petition moved by Safety Matters Foundation. It described as "unfortunate" the public release of a preliminary report by the DGCA that implied one of the pilots could be at fault for moving the fuel control switches from "RUN" to "CUTOFF" seconds after take off, resulting in the loss of thrust.

The court said that selective publication of the preliminary report paved way for a "media narrative".

The court said an element of privacy and dignity of families of victims was also involved. It took note of certain aspects of the AAIB preliminary report issued on July 12 and said "piecemeal and selective" publication of the findings which led to building of a media narrative was "unfortunate and irresponsible".

"There should be complete confidentiality of reports of this nature till the inquiry is complete. There is an element of privacy and dignity of the victims involved. That's why we should wait for the final report," the bench observed.

Advocate Prashant Bhushan, appearing for the NGO 'Safety Matters Foundation', earlier said one line of the preliminary report which blamed the pilots for the crash led to building of a narrative in the media across the world.

"Unless people know what the cause of the accident was, they are in danger as no preventive steps can be taken till then. It's been over 100 days since the crash and we still don't know the reason," Bhushan said.

He alleged in the probe panel constituted after the crash, three of the five members were from the aviation regulator and there could be an issue of conflict of interest.

CLOSER LOOK

- SC issues notice on plea seeking independent probe into June 12 Air India Dreamliner crash in Ahmedabad that killed 265
- Observes crash probe reports must remain confidential until finalised, citing privacy and dignity of victims' families
- Court wary of releasing flight data recorder details prematurely, warning rivals could misuse information

» BENCH SAYS INQUIRY MUST BE INDEPENDENT, PROMPT, AND SHIELDED FROM LEAKS TO PREVENT RUMOURS & SPECULATION

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Passenger on B'luru-Varanasi flight tries to enter cockpit

EXPRESS NEWS SERVICE @ Bengaluru

A passenger on an Air India Express flight (IX-1086) from Bengaluru to Varanasi on Monday attempted to enter the aircraft's cockpit, claiming that he tried to open it by mistake as he is a first-time flyer and was looking for the toilet, sources said.

He also tried to enter a code into the passcode-controlled locking mechanism, but was unsuccessful, the sources said. The passenger and eight of his companions on the flight were handed over to security officials at the Varanasi airport.

There was some speculation that he had entered the correct passcode, but sources with direct knowledge of the matter said that was not the case.

The cockpit access code is known only to the pilots and the cabin crew.

The flight took off from the Kempegowda International Airport at 8 am and landed in Varanasi at 10.27 am, 10 minutes earlier than the scheduled time. The passenger and his companions were then handed over to the Central Industrial Security Force for further investigation.

Sources claimed that the passenger's intention was not malicious. "We are aware of media reports regarding an incident on one of our flights to Varanasi, where a passenger approached the cockpit entry area while looking for the lavatory. We reaffirm that robust safety and security protocols are in place and were not compromised. The matter was reported to the relevant authorities on landing and is currently under investigation," said an Air India Express spokesperson.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 23 SEPTEMBER 2025

SC issues notice to Centre in AI crash

SUCHITRA KALYAN MOHANTY
@ New Delhi

THE Supreme Court on Monday issued notice to the Centre, and others on a plea seeking a court-monitored independent investigation into the June 12 Air India crash in Ahmedabad, which killed 260 people, including 19 on the ground.

A bench of Justices Surya Kant and N Kotiswar Singh, while issuing a notice to Centre and others, sought a response on the petition filed by an aviation safety organisation, Safety Matters Foundation (SMF), which was headed by former Captain Amit Singh.

Advocate Prashant Bhushan, arguing for the petitioner, highlighted the issue of reports blaming the pilots for the crash. The court said it was logical for the petitioner to demand a fair and impartial probe.

While terming the incident "unfortunate and irresponsible to leak selective information," the SC questioned the demand for disclosure of the Flight Data Recorder and it suggested maintaining confidentiality till regular inquiry was taken to its logical conclusion. "When this kind of tragedy happens... Boeing and Airbus will not be attributed with fault, and the entire airline is run down," the bench said.

It is notable that the London-bound Boeing 787-8 aircraft went down minutes after take-off, leaving a lone survivor.

The plea filed by SMF, led by Amit Singh, a former pilot, has challenged the preliminary report released by the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) on July 12, as it alleged that it violated the Aircraft (Investigation of Accidents and Incidents) Rules, 2017, which mandate full disclosure of factual data gathered in the early stages of an inquiry.

The petition stated that when citizens entrusted their lives to air travel, they do so on the faith that the state will ensure a regime of transparency, accountability, and fairness in the investigation of accidents.

"A selective or compromised inquiry not only denies justice to the victims but also exposes future passengers to the same systemic risks. The importance of this petition, therefore, lies not only in seeking answers for the present disaster but in safeguarding the lives of countless others who continue to fly with the belief that the skies are secure," the plea said.

After hearing the plea, the court sought a detailed reply on the matter, and decided to hear the plea which sought a direction to make publicly available the complete data retrieved from the crashed AI aircraft, bearing registration VT-ANB.

ALSO IN TOP COURT

'Some HC judges unable to deliver on tasks'

The Supreme Court on Monday lamented some high court judges being unable to "deliver on their tasks" as it called for their "performance evaluation". A bench of Justices Surya Kant and N Kotiswar Singh said there ought to be a system to ensure "files don't pile up on their desks". "There are judges who work day and night and are giving outstanding disposal of cases. But at the same time, there are some judges who unfortunately are unable to deliver - whatever may be the reasons, good or bad, we don't know," the bench said.

Jacqueline gets SC jolt in money laundering case

SUCHITRA KALYAN MOHANTY
@ New Delhi

THE Supreme Court on Monday refused to interfere with a Delhi High Court order dismissing Bollywood actor Jacqueline Fernandez's plea seeking to quash an ECIR (Enforcement Case Information Report) in a ₹200-crore money laundering case involving alleged conman Sukesh Chandrasekhar.

"Sorry. You withdraw this. Come at an appropriate stage. That would be the better option. We will not interfere at this stage," a two-judge bench of the top court, headed by Justice Dipankar Datta and Justice Augustine George Masih told senior advocate Mukul Rohatgi, who represented Fernandez.

The actor in her plea filed in SC, challenged the Delhi High Court's July 3 order which dismissed her petition for quashing the ECIR in the money laundering case.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 23 SEPTEMBER 2025

13-yr-old Afghan who stowed away on flight to IGIA deported on same airline

S LALITHA @ New Delhi

A 13-year-old Afghan boy who survived a perilous journey hidden inside the wheel bay of a Kabul-Delhi flight was deported back to Afghanistan on Sunday evening, authorities told this newspaper.

The boy, who mistakenly believed the aircraft was bound for Iran, boarded KAM Air flight RQ4401 from Hamid Karzai International Airport and stowed away in the rear wheel well. The Airbus A340 landed safely at Delhi's Indira Gandhi International Airport (IGIA) around 10:20 am, following a 94-minute flight.

His incredible yet dangerous journey raised alarms across Indian and Afghan aviation security establishments.

Sources said the teenager tailed legitimate passengers to bypass security checks in Kabul and entered the aircraft undetected. Security footage later showed him emerging from the aircraft's wheel bay after landing. A ground handler at Terminal 3 spotted the boy wandering the restricted apron area and alerted authorities.

The Central Industrial Security Force (CISF) detained the minor, and he was later questioned by immigration officials, CISF personnel, and local police. "He was sent back on the same airline, KAM Air, Sunday evening at 3:31 pm," an airport security official said. "Since he is a minor and entered the country without a visa, he was not penalised. The priority was to return him safely to his family."

Another official indicated that the deportation decision was taken after high-level discussions. Standard procedures were followed in repatriating the boy, who has since reached Kabul.

Experts have called the boy's survival "nothing short of a miracle." Aviation safety analyst Capt. Mohan Ranganathan explained: "The wheel bay typically lacks pressurisation and heating. But him being inside the enclosed section when the landing gear retracted, might have protected him from fatal conditions."

Dr. Ritin Mohindra, from PGIMER Chandigarh, said survival at 30,000 feet is extremely rare. "At those altitudes, oxygen levels plummet, and temperatures fall to between -40°C and -60°C. Unconsciousness can set in within minutes; death soon follows."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

प्लेन हादसे की जांच रिपोर्ट के चुनिंदा हिस्से को लीक करना दुर्भाग्यपूर्णः SC

सुप्रीम कोर्ट ने कमेंट के बाद केंद्र को भेजा नोटिस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे पर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) की प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ हिस्सों को चुनिंदा तौर पर सार्वजनिक करना दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है। इस रिपोर्ट में पायलटों की कुछ चूक का जिक्र था, जिससे मीडिया में एकतरफा नैरेटिव बना। कोर्ट ने केंद्र और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को इस हादसे की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के लिए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि इसमें पीड़ित परिवारों की गोपनीयता और गरिमा का तत्व भी शामिल है। अदालत ने जोर दिया कि इस तरह की रिपोर्ट तब तक पूरी तरह गोपनीय रखी जानी चाहिए जब तक जांच पूरी न हो जाए।

> कोर्ट ने कहा कि इस तरह की रिपोर्ट जांच पूरी होने तक गोपनीय रहनी चाहिए

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने AAIB की 12 जुलाई को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया। NGO 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन' की ओर से एडवोकेट प्रशांत भूषण पेश हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटना जांच समिति में शामिल तीन सदस्य नागरिक उड्डयन नियामक से हैं, जिससे हितों के टकराव की स्थिति बन सकती है। उन्होंने विमान के फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर से जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की ताकि दुर्घटना के कारणों पर संदेह दूर हो सके। बेंच ने कहा कि अंतिम रिपोर्ट जरूरी है, लेकिन इसमें गोपनीयता, निजता और गरिमा से जुड़े पहलू भी हैं। अदालत ने चेतावनी दी कि कुछ विशेष जानकारियों को सार्वजनिक करने से प्रतिस्पर्धी एयरलाइंस उनका दुरुपयोग कर सकती हैं। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि नोटिस केवल इस सीमित दायरे में जारी किया गया है कि जांच स्वतंत्र, निष्पक्ष और तेजी से हो। यह याचिका एविएशन सेफ्टी NGO, कैप्टन अमित सिंह (FRAeS) के नेतृत्व में दायर की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि आधिकारिक जांच नागरिकों के जीवन, समानता और सत्य जानकारी तक पहुंच जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।

File

12 जून को गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश हुआ था।

12 जुलाई की रिपोर्ट में क्या बताया था

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका में कहा गया है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की 12 जुलाई की प्रारंभिक रिपोर्ट ने हादसे का कारण फ्यूल कटऑफ स्विच को रन से कटऑफ में बदलना बताया, यानी इसे पायलट त्रुटि से जोड़ दिया। लेकिन रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (DFDR) का पूरा आउटपुट, कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर (CVR) का पूरा ट्रांसक्रिप्ट समय संकेतों के साथ और इलेक्ट्रॉनिक एयरक्राफ्ट फॉल्ट रिकॉर्डिंग (EAFR) डेटा को छिपाया गया। याचिका के अनुसार, ये सूचनाएं पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के लिए अनिवार्य हैं।

गौरतलब है कि 12 जून को एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (फ्लाइट AI171), अहमदाबाद से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट जा रहा था, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद एक मेडिकल हॉस्टल परिसर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 265 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 241 यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे। मृतकों में 169 भारतीय, 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली, 1 कनाडाई और 12 क्रू मेंबर थे। इस दुर्घटना में केवल एक यात्री, ब्रिटेन के नागरिक विश्वाश कुमार रमेश जीवित बचे हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

पायलट की लापरवाही का ज़िक्र गैर-ज़िम्मेदाराना: SC

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट में पायलटों की लापरवाही का जिक्र करना 'गैर-जिम्मेदाराना' है। इस मामले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और जल्द जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर कोर्ट ने केंद्र और एयरलाइंस के रेगुलेटर DGCA को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि जांच पूरी होने तक रिपोर्ट में पूर्ण गोपनीयता होनी चाहिए। इसमें पीड़ितों की गरिमा शामिल है। ▸▸ पेज 11

File

12 जून 2025 को अहमदाबाद में हादसा हुआ था, 265 जानें गई थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, समय आ गया है कि मानहानि को अपराध के दायरे से बाहर किया जाए, न्यूज पोर्टल के खिलाफ केस में जस्टिस की टिप्पणी ▸▸ पेज 11

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 23 SEPTEMBER 2025

प्लेन के कॉकपिट को टॉइलट समझ खोलने लगा गेट, 9 लोग हिरासत में

■ NBT न्यूज, वाराणसी

File

बेंगलुरु से वाराणसी आ रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान के बीच हवा में होने के दौरान एक यात्री ने कॉकपिट खोलने की कोशिश की। पायलट ने हाईजैक की आंशका में कॉकपिट का दरवाजा नहीं खोला और एटीसी को सूचना दी। वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर विमान के सुरक्षित उतरने के बाद CISF ने कॉकपिट खोलने का प्रयास करने वाले यात्री व उसके 8 साथियों को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस अधिकारियों के साथ ही खुफिया एजेंसियां यात्रियों से पूछताछ कर रही है। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि सभी टैक्सी ड्राइवर है और वाराणसी दर्शन-पूजन के लिए आ रहे थे। वाराणसी पुलिस ने इनके बारे में बेंगलुरु पुलिस से जानकारी मांगी है। आरोपियों ने बताया कि टॉइलट समझकर कॉकपिट में घुस रहे थे।

> पूछताछ में पता चला कि आरोपी वाराणसी पूजा के लिए आ रहे थे

एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान IX 1086 सोमवार सुबह बेंगलुरु से अपने निर्धारित समय से उड़ान भरकर वाराणसी आ रहा था। विमान के हवा में आने के कुछ देर बाद ही एक यात्री ने कॉकपिट में जाने के लिए पासकोड डाल गेट खोलने की कोशिश की। उड़ते विमान में कॉकपिट खोलने के लिए पासकोड डालते ही पायलट को अलर्ट आया कि कोई कॉकपिट में घुसना चाहता है। पायलट ने सीसीटीवी कैमरे में अनजान चेहरा देखकर विमान हाइजैक किए जाने की आशंका से रिक्वेस्ट रिजेक्ट कर दिया। यात्री ने यह कोशिश कई बार की और पायलट ने हर बार कॉकपिट खोलने के आग्रह को रिजेक्ट कर दिया।

विमान की वाराणसी में लैंडिंग होते ही CISF के जवानों ने कॉकपिट खोलने का प्रयास करने वाले यात्री तथा उसके साथ सफर कर रहे आठ अन्य यात्रियों को हिरासत में ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में कॉकपिट खोलने का प्रयास करने वाले यात्री ने बताया कि वह पहली बार हवाई जहाज में चढ़ा था और उसने कॉकपिट को टॉइलट समझकर गेट खोलने की कोशिश की थी। उसने अपनी टिकट का नम्बर गेट के पासकोड में डाला था। यात्री ने बताया कि जब फ्लाइट के क्रू मेंबर ने जब उसे बताया कि उसने कॉकपिट का गेट खोलने की कोशिश की है तो वो चुपचाप अपनी सीट पर लौट गया। वाराणसी पुलिस को बेंगलुरु पुलिस की रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PIONEER DELHI 23 SEPTEMBER 2025

सुप्रीम कोर्ट ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन को बताया 'गैर-जिम्मेदाराना'

पायलट की गलती की चर्चा अफसोसजनक

एजेंसी। चेन्नई

उच्चतम न्यायालय ने एअर इंडिया विमान के 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त होने पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन को सोमवार को दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना करार दिया, जिसमें पायलटों की ओर से चूक होने को रेखांकित किया गया था और मीडिया विमर्श के लिए राह तैयार की गई थी।

केंद्र, डीजीसीए और एएआईबी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के पहलू पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिवारों की निजता और गरिमा भी इससे जुड़ी हुई है। न्यायालय ने वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया और कहा कि जांच के नतीजों को छोटे-छोटे हिस्सों में और चुनिंदा तरीके से जारी करना, जिससे मीडिया में एक विमर्श गढ़ा गया, दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है। पीठ ने कहा, जांच पूरी होने तक इस प्रकार की रिपोर्ट की पूर्ण गोपनीयता होनी चाहिए। इसमें पीड़ितों की गोपनीयता और गरिमा का तत्व शामिल है। इसलिए, हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। गैर-सरकारी संगठन 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन' की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने इससे पहले कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट की एक पंक्ति में दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराया गया, जिससे दुनिया भर के मीडिया में एक विमर्श गढ़ा गया। भूषण ने कहा, जब तक लोगों को दुर्घटना का कारण पता नहीं चलता, वे खतरे में हैं क्योंकि उस वक्त तक कोई निवारक कदम नहीं उठाया जा सकता। दुर्घटना को 100 दिन से अधिक हो गए हैं और हमें अब भी कारण पता नहीं चल सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद गठित जांच समिति के पांच सदस्यों में से तीन सदस्य विमानन नियामक से थे और यह हितों के टकराव का मुद्दा हो सकता है। भूषण ने कहा, इसमें तीन हितधारक पक्ष हैं-- विमान निर्माता, एयरलाइन और डीजीसीए-- और इन तीनों पक्षों में से किसी एक के भी शामिल होने से हितों का टकराव होगा। जिस संगठन की भूमिका की जांच होने की संभावना है, उसके अधिकारी घटना की जांच करने वाली समिति का हिस्सा कैसे हो सकते हैं।

कॉकपिट का दरवाजा खोलने पहुंचा यात्री, मचा हड़कंप

मुंबई/वाराणसी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की 22 सितंबर को बेंगलुरु से वाराणसी जाने वाली उड़ान के दौरान एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया। विमानन कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई और घटना की जांच जारी है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में बताया, हमें वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान में हुई घटना की जानकारी मिली है, जहां एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया। हम पुष्टि करते हैं कि सुरक्षा के पुख्ता प्रोटोकॉल लागू हैं और सुरक्षा से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया गया। विमानन कंपनी ने कहा कि मामले की सूचना विमान के उतरते समय संबंधित अधिकारियों को दे दी गई थी और फिलहाल मामले की जांच जारी है। वाराणसी में अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने विमान के उतरते ही एक व्यक्ति व उसके आठ साथियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें स्थानीय फूलपुर थाना पुलिस के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि उस व्यक्ति ने उड़ान के दौरान कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

विमान के कॉकपिट में पहुंचा यात्री, जांच शुरू

मुंबई/वाराणसी (भाषा)। एयर इंडिया एक्सप्रेस की 22 सितम्बर को बेंगलुरु से वाराणसी जाने वाली उड़ान के दौरान एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया।

विमानन कंपनी ने कंपनी ने बताया, मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई और घटना की जांच जारी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में बताया, हमें वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान में हुई घटना की जानकारी मिली है, जहां एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया।

हम पुष्टि करते है कि सुरक्षा के पुख्ता प्रोटोकॉल लागू है और सुरक्षा से किसी भी तरह का कोई समझौता नही किया गया। विमानन कंपनी ने कहा, मामले की सूचना विमान के उतरते समय संबंधित अधिकारियों को दे दी गई थी और फिलहाल मामले की जांच जारी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

एयर इंडिया विमान दुर्घटना रिपोर्ट का चुनिंदा प्रकाशन 'गैर-जिम्मेदाराना' : एससी

नई दिल्ली (एसएनबी)। सुप्रीम कोर्ट ने एयर इंडिया विमान के 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त होने पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट के चुनिंदा प्रकाशन को सोमवार को 'दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया, जिसमें पायलटों की ओर से चूक होने को रेखांकित किया गया था और 'मीडिया विमर्श' के लिए राह तैयार की गई थी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच के पहलू पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिवारों की 'निजता और गरिमा' भी इससे जुड़ी हुई है। न्यायालय ने वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर गौर किया और कहा कि जांच के नतीजों को छोटे-छोटे हिस्सों में और चुनिंदा तरीके से' जारी करना, जिससे मीडिया में एक विमर्श गढ़ा गया, 'दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना' है। पीठ ने कहा, जांच पूरी होने तक इस प्रकार की रिपोर्ट की पूर्ण गोपनीयता होनी चाहिए। इसमें पीड़ितों की गोपनीयता और गरिमा का तत्व शामिल है। इसलिए हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए।

गैर-सरकारी संगठन 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन' की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने इससे पहले कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट की एक पंक्ति में दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराया गया, जिससे दुनियाभर के मीडिया में एक विमर्श गढ़ा गया। भूषण ने कहा, जब तक लोगों को दुर्घटना का कारण पता नहीं चलता, वे खतरे में है क्योंकि उस वक्त तक कोई निवारक कदम नहीं उठाया जा सकता। दुर्घटना को 100 दिन से अधिक हो गए है और हमें अब भी कारण पता नहीं चल सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद गठित जांच समिति के पांच सदस्यों में से तीन सदस्य विमानन नियामक से थे और यह हितों के टकराव का मुद्दा हो सकता है। भूषण ने कहा,

इसमें तीन हितधारक पक्ष है (विमान निर्माता, एयरलाइन और डीजीसीए) और इन तीनों पक्षों में से किसी एक के भी

कहा, जांच पूरी होने तक इस प्रकार की रिपोर्ट की पूर्ण गोपनीयता होनी चाहिए। हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए

शामिल होने से हितों का टकराव होगा। जिस संगठन की भूमिका की जांच होने की संभावना है, उसके अधिकारी घटना की जांच करने वाली समिति का हिस्सा कैसे हो सकते है। उन्होंने कहा, विमान के 'फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर' से जानकारी मिलने पर दुर्घटना के कारण 'स्पष्ट' हो जाएंगे। पीठ ने कहा, स्वतंत्र, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग तो समझ में आती है, लेकिन फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर में उपलब्ध जानकारी की मांग सवाल किए जाने योग्य है।

न्यायालय ने आगाह करते हुए कहा कि किसी विशेष जानकारी को जारी करने से प्रतिद्वंद्वी एयरलाइनों द्वारा उसका दुरुपयोग किया जा सकता है। इसने सुझाव दिया कि ऐसी जानकारी समय से पहले जारी नहीं की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, हमें जानकारी को टुकड़ों में जारी नहीं करना चाहिए और नियमित जांच के तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचने तक पूरी गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए। उसके बाद ही हम बता सकते है कि वास्तविक कारण क्या था। भूषण ने एक पॉडकास्ट का हवाला दिया, जिसमें घटना के सभी पहलुओं की जांच का दावा किया गया था और कहा गया था कि यह पायलट की लापरवाही का मामला नहीं था। उन्होंने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट की एक अलग पंक्ति पर मीडिया की रिपोर्टिंग ने वास्तव में पूरी तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा, जांच समिति का नेतृत्व एक न्यायिक व्यक्ति कर सकता है। जब पीठ ने महसूस किया कि विशेषज्ञों द्वारा स्वतंत्र जांच एक बेहतर विकल्प है, तो भूषण ने कहा कि जांच की निगरानी के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश समिति का नेतृत्व कर सकते है। शीर्ष अदालत ने कहा, अफवाहों और अटकलों को शांत करने तथा मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों में सूचनाओं के चुनिंदा लीक से बचने के लिए ऐसी जांच तुरंत होनी चाहिए। भूषण ने फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर के बारे में दोहराया, लेकिन पीठ ने इस बात की ओर इशारा किया कि अगर जानकारी जारी की गई तो कई 'समानांतर सिद्धांत' सामने आ सकते है। भूषण ने कहा, अंतिम रिपोर्ट के बाद भी सिद्धांत सामने आएंगे और उन्हें रोकने का कोई तरीका नहीं है। कैप्टन अमित सिह के नेतृत्व वाले विमानन सुरक्षा एनजीओ द्वारा यह याचिका दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आधिकारिक जांच नागरिकों के जीवन, समानता और असल जानकारी तक पहुंच के मौलिक अधिकारों का हनन करती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

AI crash probe must be fair, fast, without leaks: SC

New Delhi: Supreme Court sought on Monday responses from DGCA, Aircraft Accidents Investigation Bureau and the Centre on steps taken to conduct an independent, impartial and expeditious probe into the crash of Air India's June 12 London-bound flight, **reports Dhananjay Mahapatra**.

The court told PIL petitioner NGO 'Safety Matters Foundation' that its demand to make public details of the flight data recorder could have serious consequences for relatives of the pilots.

▶ 'Selective reporting', P 18

SC: Selective reporting causes immense agony

'Confidentiality Should Be Maintained Till Final Submission'

▶ Continued from P 1

The June 12 crash resulted in the deaths of 229 passengers and 12 crew members on board, as well as 19 people on the ground

All passengers and crew, barring one, were killed in the crash. "We have seen how one single sentence from the preliminary inquiry report was plucked out by western and Indian media to lay the blame on pilot error. Such selective reporting causes immense agony... Confidentiality of the investigations should be maintained till the submission of the final report," Justice Surya Kant said.

Appearing for the NGO, Prashant Bhushan said even after more than 100 days, people do not know the exact cause of the crash, even as experts are of the opinion that electrical system failure of the Boeing aircraft cut off fuel supply to the engine. "Releasing FDR data would enable independent experts to analyse it and help reach a logical conclusion," he said.

The bench of Justices Surya Kant and N K Singh said selective release would enable all these experts to sit in podcasts and give their opinion, running many parallel theories. Bhushan then questioned the fairness of the investigation, saying the five-member probe team included three DGCA officers, which could also be under scrutiny for not carrying out regular safety checks on aircraft under the airlines.

SC bench said selective release would enable experts to sit in podcasts and give their opinion, running many parallel theories

The NGO said, "The preliminary report is incomplete, selective, and lacking in transparency, thereby undermining credibility of the investigative process and the trust of the travelling public. By withholding critical data, omitting safety recommendations, disregarding documented technical anomalies, and prematurely attributing blame to the pilots, the respondent has created a skewed narrative that fails to serve the preventive purpose of an air accident investigation."

On Aug 8, a bench of Justices Surya Kant and Joymalya Bagchi had refused to entertain a petition seeking safety audit of every aircraft of Air India and rebuked the petitioner for seeking the audit of only one airline and not all airlines.

"It was a very unfortunate incident. But this is not the time to run down airlines. You must approach the DGCA and the central govt on the issue of safety and security of passengers. If they do not take any action, then we can step in," the Supreme Court bench had said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 23 SEPTEMBER 2025

Hijack scare as man punches in code to open cockpit door

Correct Combination Used But Capt Refused To Let Him In

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi/New Delhi: A hijack scare gripped an Air India Express flight from Bengaluru to Varanasi Monday after a man tried to unlock the cockpit door mid-air by entering random digits on its keypad, triggering a security buzzer inside the flight deck.

Cabin crew confronted the passenger, identified as Mani R, who claimed he was a first-time flyer looking for the lavatory. He returned to his seat, but the move prompted the captain of Flight IX-1086, a Boeing 737, to alert Varanasi ATC.

Despite his explanation, the alarm was taken seriously as Mani had allegedly punched the correct cockpit code, police sources said. A passenger posted on X: "An @AirIndiaX passenger tried to open the cockpit door... He even punched the right passcode, but the captain didn't open the door, fearing a hijack. The passenger was flying with eight others." The crew's refusal to open the door prevented further escalation. The airline has categorised the act as "level-three unruly behaviour", the highest on the scale, covering interference with aircraft systems and punishable with a "no-fly listing" of at least two years and possibly a lifetime ban.

> **We are aware of an occurrence on one of our flights to Varanasi... We reaffirm that robust security protocol are in place and were not compromised**
>
> **AIR INDIA EXPRESS SPOKESPERSON**

"We are aware of an occurrence on one of our flights to Varanasi, where a passenger approached the cockpit entry area while looking for the lavatory," an Air India Express spokesperson said. "We reaffirm that robust safety and security protocol are in place and were not compromised."

Varanasi ACP Pindra Prateek Kumar said CISF moved in as soon as the flight crew's message was relayed to the airlines and airport officials. The jet landed in Varanasi at 10.18am. CISF detained Mani and eight others in his group, all from Bengaluru. "Following initial interrogation, they were handed over to Phulpur police," Kumar said.

Security agencies, including IB and anti-terrorism squad questioned the group until late evening. The youths told investigators they had come to Varanasi to visit temples and that Mani mistook the cockpit keypad for restroom-entry mechanism.

At Lal Bahadur Shastri International Airport, fellow travellers described relief after a tense flight. "When he tried to open the cockpit door, other passengers were left frightened and confused," one flyer said.

Checks revealed no suspicious items. ADCP Vaibhav Bangar said: "Further background verification and investigation are underway."